वर्ष :-1

अंक:-283

24.11.2025

सोमवार

अपना शहर अपना खबर

अपना नालन्दा

पेज 1 नालंदा का नंबर वन डिजिटल अखबार www.apnanalanda.com

कतरीसराय पुलिस की बड़ी कार्रवाई, साइबर ठगों का गिरोह बेनकाब, पांच आरोपी गिरफ्तार

आर संतोष भारती

कतरीसराय (अपना नालंदा)। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर स्थानीय पुलिस ने शनिवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी में संलिप्त पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार एवं अपर थानाध्यक्ष आदित्य कुमार के नेतृत्व में यह छापेमारी प्रखंड मुख्यालय के पीछे विजय यादव के घर पर गुप्त सूचना के आधार पर की गई।

गिरफ्तार आरोपियों में गुड्डु कुमार, कुन्दन कुमार उर्फ चन्दन कुमार (दोनों सहोदर भाई, पिता—विजय यादव), राजकरण यादव (पिता—मुद्रिका यादव), आकाश कुमार (पिता—विनय चौरसिया) एवं एक विधिविरुद्ध बालक शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि ये सभी लंबे समय से साइबर ठगी की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे और जिले व आसपास के क्षेत्रों में सक्रिय नेटवर्क चला रहे थे।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने साइबर ठगी में प्रयोग होने वाले कई अहम सामान बरामद किए। इनमें 8 स्क्रीन टच मोबाइल फोन, 2 एटीएम कार्ड, 3 बैंक पासबुक तथा 39,350 रुपये नकद राशि शामिल हैं। बरामदगी से पुलिस को इनके नेटवर्क की गतिविधियों को समझने में मदद मिलेगी।

पुलिस टीम में एसआई संजय कुमार सिंह, एएसआई मनिष कुमार, एएसआई धर्मेन्द्र कुमार, एएसआई रुदल पासवान, साधुशरण मोची, सपना कुमारी, गोलू कुमार, रंजीत कुमार एवं असंजय कुमार शामिल रहे।

राजगीर डीएसपी सुनील कुमार सिंह एवं गिरियक पुलिस निरीक्षक सुमंत कुमार ने बताया कि सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही है। पुछताछ में कई अहम खुलासों की उम्मीद है। पुलिस ने कहा कि साइबर अपराध में शामिल किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा।

गौरागढ़ में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 548 ब्राउन सुगर पुड़िया बरामद

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बिहार थाना पुलिस ने रविवार को गश्ती के दौरान मिली सूचना के आधार पर गौरागढ़ मुहल्ला में बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में ब्राउन सुगर बरामद की है। इस कार्रवाई में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के अनुसार, गश्ती के दौरान नशे की हालत में हंगामा कर रहे एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। युवक ने अपना नाम आशुतोष कुमार उर्फ राहुल कुमार (उम्र 27 वर्ष), पिता विनोद कुमार, निवासी नईसराय नरसलीगंज बताया। पूछताछ में उसने खुलासा किया कि वह गौरागढ़ निवासी सुधीर कुमार, पिता स्व. किशोर यादव, तथा पंडितनगर निवासी निरंजन कुमार उर्फ गंडोल से ब्राउन सुगर की पुड़िया लेकर बेचता है।

सूचना की गंभीरता को देखते हुएअंचलाधिकारी बिहारशरीफ एवं थानाध्यक्ष बिहार के नेतृत्व में सुधीर कुमार के आवास पर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान घर से 548 पुड़िया (कुल वजन 289.15 ग्राम) ब्राउन सुगर तथा ₹5,12,605 नकद बरामद किए गए।

पूछताछ में सुधीर कुमार ने बरामद नशीले पदार्थ तथा नकद राशि को अवैध ब्राउन सुगर कारोबार से अर्जित धन बताया। पुलिस ने उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। सभी बरामद सामग्री का विधिवत जब्ती सूची तैयार की गई।पुलिस मामले में बिहार थाना में कांड दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुटी है। इस कार्रवाई को नशा तस्करों के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है।

नालंदा में 25 नवंबर को सरदार पटेल जयंती पर युवा शक्ति की भव्य पदयात्रा निकलेगी

रंजीत कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर आगामी 25 नवंबर को नालंदा जिले में भव्य जिला स्तरीय पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा। यह पदयात्रा राजगीर नवोदय विद्यालय से निकलेगी, जिसमें जिले के सैकड़ों युवा शामिल होंगे।यह आयोजन जिला युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार, मेरा युवा भारत विभाग, नालंदा जिला प्रशासन तथा एनएसएस के संयुक्त सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। पदयात्रा का शुभारंभ नालंदा के सांसद कौशलेंद्र कुमार द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया जाएगा।आयोजन से पहले आयोजित प्रेस वार्ता में सांसद कौशलेंद्र कुमार ने बताया कि इस पदयात्रा का मुख्य उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रभक्ति, कर्तव्य के प्रति जागरूकता, सामाजिक जिम्मेदारी, और राष्ट्र की एकता के प्रति समर्पण की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के योगदान और उनके राष्ट्रीय एकता संदेश को युवाओं तक पहुंचाना इस कार्यक्रम का मूल लक्ष्य है।उन्होंने बताया कि इस ऐतिहासिक पदयात्रा में नालंदा जिले के लगभग 500 युवा हिस्सा लेंगे और राष्ट्र के महानायकों की विरासत को सम्मान देंगे। पदयात्रा के माध्यम से "अनेकता में एकता" का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।जिला प्रशासन और आयोजन समिति ने युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इस कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

धर्मपुर विद्यालय के पास अवैध शराब निर्माण जारी, प्रशासनिक कार्रवाई नदारद

हिलसा (अपना नालंदा)। बिहार में सख्त शराबबंदी कानून लागू होने के बावजूद हिलसा नगर परिषद क्षेत्र के धर्मपुर गांव में अवैध शराब कारोबारियों के हौसले बुलंद दिख रहे हैं। प्राथमिक विद्यालय के पास महुआ शराब बनाते एक कारोबारी का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि यह अखबार वीडियो की पुष्टि नहीं करता, लेकिन ग्रामीणों का दावा है कि यह वीडियो धर्मपुर प्राथमिक विद्यालय के समीप ही बनाया गया है, जहां वर्षों से खुलेआम शराब निर्माण और बिक्री का धंधा चलता आ रहा है।

वायरल वीडियो में भट्ठी पर सुलगती आग, टपकती शराब और सामने खड़ा एक व्यक्ति अपना नाम बताते हुए खुलेआम शराब निर्माण की स्वीकारोक्ति करता दिख रहा है। इतना ही नहीं, वह वीडियो बनाने वाले से पिस्तौल की भी फोटो लेने की बात कहता है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो किसी ग्रामीण ने छुपकर बनाया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

ग्रामीणों के अनुसार, विद्यालय परिसर और आसपास के कई घरों में लंबे समय से बड़े पैमाने पर महुआ शराब बनाई जाती है। सुबह से देर शाम तक भट्ठी जलने और अवैध शराब की सप्लाई होने का आरोप स्थानीय लोग लगाते हैं। कई बार शिकायत के बावजूद प्रशासन की कार्रवाई केवल खानापूर्ति तक सीमित रही है, जिसके कारण शराब माफियाओं के हौसले और बढ़े हैं।

इस संबंध में थानाध्यक्ष अभिजीत कुमार ने कहा कि मामला संज्ञान में लिया गया है। वायरल वीडियो की सत्यता की जांच के लिए पुलिस टीम भेजी गई है और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

SAI BODHIT PVT. LTD.
बिहारशरीफ़ की नई पहचान
SHRIEJAN HEIGHTS में अपना आशियाना।
SHRIEJAN HEIGHTS
कल्पना एक सुंदर-समृद्ध भारत की।
LIFESTYLE OF THE WORLD COMES TO BIHARSHARIF
चोरा बगीचा से केवल 2 मिनट की दुरी पर ....
APPROVED RERA APPROVED
"BOOKINGS ARE NOW OPEN !"
BOOK 3BHK PREMIUM FLAT
Project Registration Number
BRERAP19200101102525043 2E00
₹ 4251/*SQ.FT.
60% Free Area
COMFORT, LUXURY WELLNESS
Amenities
Swimming Pool
Vastu Compliant Design
Kids' Play Area
Volleyball / Badminton Court
Cricket net pitch
Landscape & Roof Top Garden
Temple in Premises
Highly Secured Society (24x7 security & cctv surveillance)
100% Power Backup
Ample Parking Space & Visitor Car Parking Facility
EV Reserved Car Parking
Site/Office -
सृजन कोल्ड स्टोरेज,
नालंदा टीचर ट्रेनिंग कॉलेज के सामने,
राजगीर रोड, बिहारशरीफ (4-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग-82)
Contact Us -
1800 5728 177 (TOLL FREE NUMBER)
9031605004, 7280027960
60018 06049, 96615 74892
Contact us today to book your site visit!

जन सुराज की समीक्षा बैठक: 10 हजार देकर चुनाव प्रभावित करने का आरोप

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। जन सुराज पार्टी ने रविवार को पटना स्थित शेखपुरा हाउस में विधानसभा चुनाव परिणामों की समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने की, जबकि कार्यक्रम में पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर भी उपस्थित रहे। राज्यभर से आए विधानसभा प्रत्याशियों ने हार के कारणों पर गंभीर चर्चा की और भविष्य में संगठन को और अधिक मजबूत करने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया।

बैठक में उम्मीदवारों ने आरोप लगाया कि एन.डी.ए. ने चुनाव को प्रभावित करने के लिए व्यापक स्तर पर साजिश की। प्रत्याशियों के अनुसार, महिलाओं के खातों में चुनाव आचार संहिता लागू रहने के बावजूद 10 हजार रुपये भेजे गए, जिसे 'सीड मनी' बताकर लौटाने की आवश्यकता नहीं होने की बात कही गई। साथही चुनाव बाद दो-दो लाख रुपये देने की अफवाह ने मतदाताओं को भ्रमित किया। जीविका समूह से जुड़ी महिलाओं पर आरोप लगाया गया कि उन्होंने घर-घर जाकर एन.डी.ए. के पक्ष में वोट देने का आग्रह किया तथा कई मतदान केंद्रों पर मतदाताओं को उम्मीदवार का सीरियल नंबर तक बताया।

कई प्रत्याशियों ने यह भी कहा कि बाहरी लोग गांव-गांव जाकर प्रचार करते रहे कि जन सुराज को वोट देने से बिहार में पुनः 'जंगलराज' लौट आएगा। इस डर और अफवाहों ने वोटरों को प्रभावित किया, जिससे पार्टी के समर्थन में बना मजबूत जनाधार अचानक कमजोर पड़ गया।

समीक्षा बैठक में गणितज्ञ के.सी. सिंहा, पूर्व विधायक किशोर कुमार मुन्ना, पूर्व विधान पार्षद रामबलि चंद्रवंशी सहित कई वरिष्ठ नेता एवं राष्ट्रीय परिषद सदस्य उपस्थित रहे।

गुरु तेग बहादुर को समर्पित होगा साहित्य सम्मेलन का 44वां महाधिवेशन

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन का 44वां दो दिवसीय महाधिवेशन आगामी 20-21 दिसंबर को आयोजित होगा, जिसे सिख संप्रदाय के नवम गुरु गुरु तेग बहादुर जी को समर्पित करने का निर्णय लिया गया है। रविवार को सम्मेलन-सभागार में आयोजित कार्यसमिति की बैठक में यह फैसला लिया गया। ज्ञात हो कि इस वर्ष गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस का 350वां वर्ष है, जिसे पूरे विश्व में श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है।

कार्यसमिति की बैठक में बताया गया कि महाधिवेशन में गुरु तेग बहादुर जी के साहित्य, आध्यात्मिक व्यक्तित्व और उनके बलिदानी जीवन पर केंद्रित एक विशेष वैचारिक सत्र आयोजित होगा। सम्मेलन अध्यक्ष ने उन्हें महान संत, बलिदानी महात्मा और प्रतिभाशाली साहित्यकार बताते हुए कहा कि उनके साहित्यिक योगदान को इस ऐतिहासिक अवसर पर सम्मानित करना सम्मेलन का गौरव है।

बैठक में महाधिवेशन के वैचारिक सत्रों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और कवि सम्मेलन की रूपरेखा पर भी विस्तार से चर्चा हुई। साहित्यिक महाकुंभ में पाँच सौ प्रतिनिधियों के निबंधन का लक्ष्य तय किया गया है। बाहर से आने वाले प्रतिनिधियों के लिए आवास, भोजन एवं स्थानीय परिवहन की व्यापक व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। अलंकरण हेतु विशेष अंग-वस्त्र हैदराबाद से मंगाए जा रहे हैं।

डा. सुलभ ने बताया कि नामित अलंकरणों हेतु 30 नवंबर तक प्रविष्टियाँ आमंत्रित हैं। ज़िला साहित्य सम्मेलनों से प्रतिनिधियों की सूची और अनुशंसाएँ शीघ्र भेजने का आग्रह किया गया है। बैठक में जियालाल आर्य, डा. उपेंद्र नाथ पांडेय सहित कई वरिष्ठ साहित्यकार एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बिहार बनेगा उद्योग और रोजगार का नया केंद्र: अरविंद निषाद

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। जद (यू) के प्रदेश प्रवक्ता अरविंद निषाद ने बयान जारी कर कहा कि बिहार की जनता ने एक बार फिर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सुशासन और विकासपरक नेतृत्व पर अपना अटूट भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रतिबद्धता ने राज्य में औद्योगिक विकास का नया दौर शुरू कर दिया है, जिसका सीधा लाभ लाखों युवाओं को मिलेगा।

निषाद ने कहा कि बिहार अब तेजी से उद्योग और रोजगार का प्रमुख केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष 2015-16 में तत्कालीन केंद्रीय वित्त मंत्री स्वर्गीय अरुण जेटली ने बिहार के टैक्स कलेक्शन मॉडल को पूरे देश में आदर्श बताया था और इसे सभी राज्यों के लिए सीखने योग्य करार दिया था। उस समय बिहार टैक्स संग्रह के मामले में अन्य राज्यों से आगे था, जो सुशासन और सिस्टम सुधारों का प्रमाण था।

उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार उद्योग स्थापना, आधारभूत संरचना विकास, कौशल प्रशिक्षण और निवेश बढ़ाने पर निरंतर काम कर रही है। इन प्रयासों का उद्देश्य राज्य को औद्योगिक प्रगति की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है, ताकि युवाओं, उद्यमियों और आम नागरिकों को बेहतर अवसर मिल सकें।

निषाद ने विश्वास व्यक्त किया कि विकास, रोजगार और सुशासन के मार्ग पर बिहार की यह प्रगति लगातार जारी रहेगी और राज्य जल्द ही देश के प्रमुख औद्योगिक हब के रूप में स्थापित होगा।

बिहार में विश्वस्तरीय हृदय उपचार का लक्ष्य लेकर मेदांता कार्डियक कॉन्क्लेव सम्पन्न

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। जयप्रभा मेदांता सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, पटना द्वारा होटल लेमन ट्री प्रीमियर में अंतरराष्ट्रीय मेदांता कार्डियक कॉन्क्लेव 2025 का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारत, अमेरिका, इंग्लैंड, मॉरीशस और नेपाल से आए विख्यात हृदय रोग विशेषज्ञों ने वैज्ञानिक सत्रों और मास्टर-क्लास के माध्यम से अत्याधुनिक हृदय उपचार तकनीकों की जानकारी साझा की। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मेदांता समूह के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक डॉ. नरेश त्रेहन ने कहा कि हृदय रोग आज देश की सबसे बड़ी चिकित्सा चुनौतियों में से एक है। उन्होंने कहा, "हमारा लक्ष्य है कि बिहार और पूर्वी भारत के मरीजों को वही गुणवत्तापूर्ण हृदय उपचार मिले जो अमेरिका, यूरोप या दिल्ली-मुंबई में उपलब्ध है। मेदांता पटना में इसी वैश्विक मानक को स्थापित किया जा रहा है।"

कॉन्क्लेव में इंग्लैंड के डॉ. जेम्स नोलान और डॉ. राजे नरायण, अमेरिका के डॉ. मिथिलेश दास तथा मॉरीशस के डॉ. शमलोल उमेश नेनवीनतम कार्डियक तकनीकों पर अपने शोध और अनुभव प्रस्तुत किए। देश के विभिन्न शहरों से आए वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्टों ने हाई-रिस्क एंजियोप्लास्टी, बिना तार वाले पेसमेकर, अतालता उपचार और न्यूनतम चीरा विधि से होने वाली हृदय प्रक्रियाओं पर चर्चा

कॉन्क्लेव में इंग्लैंड के डॉ. जेम्स नोलान और डॉ. राजे नरायण, अमेरिका के डॉ. मिथिलेश दास तथा मॉरीशस के डॉ. शमलोल उमेश नेनवीनतम कार्डियक तकनीकों पर अपने शोध और अनुभव प्रस्तुत किए। देश के विभिन्न शहरों से आए वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्टों ने हाई-रिस्क एंजियोप्लास्टी, बिना तार वाले पेसमेकर, अतालता उपचार और न्यूनतम चीरा विधि से होने वाली हृदय प्रक्रियाओं पर चर्चाकी। डॉ. प्रवीण चंद्रा ने बताया कि इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी लगातार विकसित हो रही है और अब अत्यंत जटिल मामलों का भी सफल उपचार संभव है। या कि इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी लगातार विकसित हो रही है और अब अत्यंत जटिल मामलों का भी सफल उपचार संभव है। वहीं, डॉ. रजनीश कपूर ने कहा कि इस तरह की मास्टर-क्लास बिहार के कार्डियक केयर को नई ऊँचाई प्रदान करेगी।

जयप्रभा मेदांता के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा कि उनका लक्ष्य बिहार को कार्डियोवस्कुलर साइंस का प्रमुख केंद्र बनाना है। आयोजन सचिव डॉ. शमशाद आलम ने बताया कि यह Interventional Cardiology Master-Class Chapter–1 की शुरुआत है, जिसे निरंतर जारी रखा जाएगा।

नेबाड़ी खरीद में तेजी, कुट्टी के बढ़े दाम से पशुपालक चिंतित

हरनौत (अपना नालंदा)। प्रखंड क्षेत्र में नेबाड़ी की खरीदारी इस वर्ष अगहन माह की शुरुआत के साथ ही तेज हो गई है। बिचाली व्यवसाय से जुड़े दुकानदार किसानों से बड़े पैमाने पर नेबाड़ी खरीदकर मजदूरों की मदद से मशीनों से कुट्टी कटवाकर स्टॉक तैयार करने में जुट गए हैं। बढ़ती मांग के चलते किसानों और पशुपालकों दोनों पर इसका असर पड़ना शुरू हो गया है।

जानकारी के अनुसार, प्रखंड में करीब डेढ़ दर्जन बिचाली की दुकानें संचालित होती हैं। दुकानदार किसानों से नेबाड़ी की खरीद 1,000 से 1,200 रुपये प्रति बंडल (लगभग एक रुपये प्रति पीस) की दर से कर रहे हैं। वहीं, कुट्टी की कीमतों में इस बार काफी उछाल देखने को मिल रहा है। नए कुट्टी की कीमत 230 से 250 रुपये प्रति मन और पुराने कुट्टी की कीमत 300 रुपये प्रति 40 किलो तक पहुँच गई है। इसके अतिरिक्त घर तक डिलीवरी के लिए वाहन मालिक को अलग भुगतान करना होगा।

दुकानदारों का कहना है कि इस वर्ष कीमत बढ़ने के पीछे कई प्रमुख कारण हैं। पिछले वर्ष धान की नेबाड़ी आसानी से उपलब्ध हो जाती थी, लेकिन इस बार लगातार बारिश के कारण नेबाड़ी खराब हो गई। दूसरी तरफ खेतों में लगे धान की कटाई हार्वेस्टर से की जा रही है, जिससे नेबाड़ी काफी मात्रा में नष्ट हो रही है। पिछले वर्ष अगहन में कुट्टी की कीमत 170 रुपये प्रति मन थी, जबकि इस बार कीमतों में भारी उछाल ने पशुपालकों की चिंता बढ़ा दी है।

पशुपालकों का कहना है कि सीजन की शुरुआत में ही कुट्टी इतनी महंगी हो गई तो आगे और कठिनाइयाँ बढ़ सकती हैं।

पवन कुमार बोले, श्रवण कुमार के पुनर्नियुक्ति से स्वच्छता कर्मियों के हित होंगे सुरक्षित

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बिहार प्रदेश स्वच्छता पर्यवेक्षक एवं स्वच्छता कर्मी संघ के जिला अध्यक्ष नालंदा सह प्रदेश महासचिव पवन कुमार ने ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री श्रवण कुमार को दोबारा मंत्री पद संभालने पर हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के मजबूत नेतृत्व, दूरदर्शी सोच और प्रशासनिक संवेदनशीलता का परिणाम है कि राज्य में विकास कार्यों के साथ-साथ स्वच्छता से जुड़े कर्मचारियों के हितों को प्राथमिकता दी जा रही है।

महासचिव पवन कुमार ने बताया कि हाल के वर्षों में स्वच्छता पर्यवेक्षकों और स्वच्छता कर्मियों के मानदेय में बढ़ोतरी की गई है, जिससे हजारों कर्मियों को बड़ी राहत मिली है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने सफाई कर्मियों के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के लिए ऐतिहासिक कदम उठाते हुए बिहार राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के गठन का निर्णय लिया है। यह आयोग सफाई कर्मियों से जुड़े मुद्दों के समाधान, सेवा शर्तों में सुधार और उनके कल्याण से जुड़े निर्णयों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

पवन कुमार ने उम्मीद जताई कि मंत्री श्रवण कुमार के पुनः पदभार ग्रहण करने से ग्रामीण विकास विभाग और स्वच्छता से संबंधित योजनाओं को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लगातार स्वच्छ और स्वस्थ बिहार के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है तथा सफाई कर्मी इस मिशन की मुख्य धुरी हैं। संघ ने मंत्री से आग्रह किया है कि सफाई कर्मियों के हित में शुरू की गई योजनाओं को और विस्तार दिया जाए, ताकि उनका जीवनस्तर मजबूत हो सके।

कैलाशपति मिश्र की विरासत आगे बढ़ा रहे उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा बने भाजपा के सशक्त स्तंभ

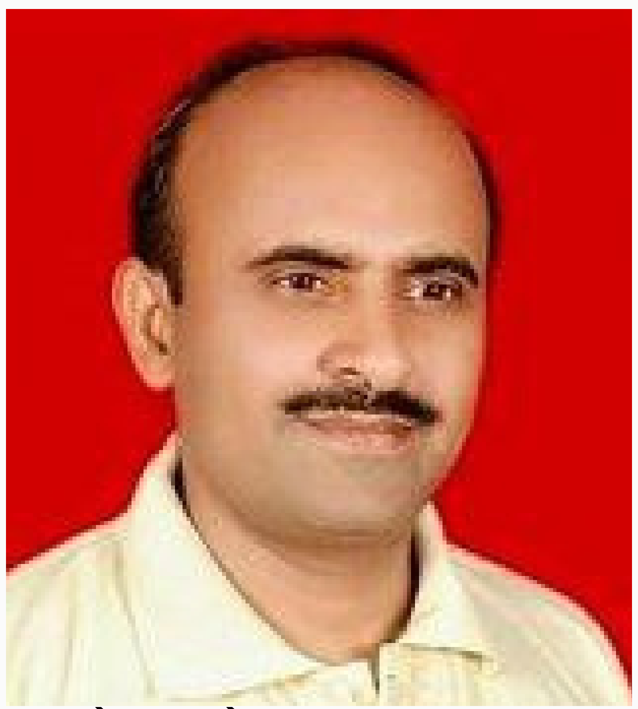

कमलेश पांडेय

बिहार की राजनीति में उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा एक ऐसा नाम है, जो संगठनात्मक क्षमता, जातीय संतुलन, प्रशासनिक दक्षता और राजनीतिक आक्रामकता—चारों आयामों में प्रभावी नेतृत्व का परिचय देता है। भारतीय जनता पार्टी में भूमिहार ब्राह्मण समाज के सबसे सशक्त चेहरों में उनकी पहचान स्थापित हो चुकी है। लखीसराय से लगातार पाँच बार विधायक रहने के कारण वे न केवल अपने क्षेत्र में लोकप्रिय हैं, बल्कि राज्य की राजनीति में भी उनका कद निरंतर बढ़ता गया है।

उपमुख्यमंत्री प्रथम और गृह मंत्री सम्राट चौधरी ओबीसी समाज से आते हैं, जबकि विजय कुमार सिन्हा सवर्ण समाज के प्रतिनिधि हैं। इस प्रकार दोनों की जोड़ी भाजपा के सामाजिक संतुलन की मजबूत आधारशिला बन चुकी है। आरजेडी के मुस्लिम-यादव समीकरण के मुकाबले भाजपा का यह सामाजिक संतुलन 2025 के विधानसभा चुनाव में सफल साबित हुआ है, जिसके परिणामों ने इस समीकरण की मजबूती की पुष्टि की है।

तेजतर्रार शैली और राजनीतिक दृढ़ता का नेतृत्व

युवा राजनीतिक विश्लेषक प्रणय राज कहते हैं कि विजय कुमार सिन्हा की राजनीतिक शैली आक्रामक, तथ्याधारित और विपक्ष पर सीधे प्रहार करने वाली रही है। विपक्ष के नेता के रूप में उनका कार्यकाल इस बात का प्रमाण है कि वे सिर्फ पद के सीमित दायरे में नहीं रहते, बल्कि अपनी बात को बड़े तेवर और तर्कों के साथ रखते हैं। उनकी इसी शैली ने उन्हें भाजपा और संघ नेतृत्व का विश्वसनीय चेहरा बनाया है, जिसके फलस्वरूप उन्हें दोबारा उपमुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी मिली।

प्रशासनिक दक्षता और विकास की गति

भागलपुर के भाजपा नेता राजहंस राय के अनुसार, विजय कुमार सिन्हा ने बिहार में खनन, सड़क, कृषि और ग्रामीण विकास जैसे महत्वपूर्ण विभागों में सुधारात्मक कदम उठाए हैं। उनकी पारदर्शिता और कड़ी निगरानी की नीति से विकास गति पाई है और संसाधनों के दुरुपयोग में कमी आई है।उनकी दृष्टि "जाति, भ्रष्टाचार और अपराध से मुक्त बिहार" की है, जिसके आधार पर उन्होंने विधानसभा में कई बार प्रशासनिक सुधारों की पहल की। इसी कारण राजस्व एवं भूमि सुधार जैसे अहम मंत्रालय का भार उन्हें प्रमुखता से सौंपा गया है।

रणनीतिक जमात में अग्रणी चेहरा

पीरपैंती और कहलगांव की भाजपा नेत्री सुमन राय बताती हैं कि विजय कुमार सिन्हा, कैलाशपति मिश्र, डॉ. सीपी ठाकुर और गिरिराज सिंह जैसे दिग्गजों की श्रेणी में अपनी जगह बना चुके हैं। वे संगठन की रणनीतिक जमात में ऐसे नेता हैं जो चुनावी राजनीति के साथ-साथ कार्यकर्ता निर्माण को भी बराबर प्राथमिकता देते हैं।

वे भाजपा की "लंबी रेस" की रणनीति का हिस्सा हैं और आने वाले वर्षों में उनके कद में और वृद्धि होना लगभग तय माना जा रहा है।

जातीय संतुलन और नेतृत्व का प्रभाव

मुंगेर के भाजपा नेता ध्रुव कुमार सिंह बताते हैं कि विजय कुमार सिन्हा भाजपा के उच्च जाति वोट बैंक—विशेष रूप से भूमिहारों—के सबसे प्रभावशाली प्रतिनिधि हैं। उनकी आक्रामक शैली, प्रशासनिक दक्षता और संगठनात्मक पकड़ भाजपा को राजनीतिक और विकास दोनों स्तरों पर मजबूती प्रदान करती है।

नीतीश कुमार की सौम्य और संवादप्रिय शैली के विपरीत विजय कुमार सिन्हा का तेजतर्रार रुख भाजपा को एक संतुलित नेतृत्व प्रदान करता है, जिससे पार्टी की छवि और प्रभाव बढ़ा है।

कैलाशपति मिश्र की विरासत का सशक्त संवाहक

दिल्ली के वरिष्ठ पत्रकार व टीवी डिबेटर डॉ. रमेश ठाकुर कहते हैं कि बिहार भाजपा के भीष्म पितामह स्वर्गीय कैलाशपति मिश्र संगठन के निर्माता और पार्टी के नैतिक आधार-स्तंभ रहे हैं। उनके आदर्श—नैतिकता, संगठनात्मक अनुशासन, कार्यकर्ताओं से स्नेह, और सनातनी मूल्यों की रक्षा—भाजपा की आत्मा मानी जाती है।

उनके अनुसार, भाजपा की नई पीढ़ी में विजय कुमार सिन्हा सबसे योग्य नेता हैं जो मिश्र जी के इन मूल्यों को आगे बढ़ा रहे हैं। संगठन के प्रति उनका समर्पण, विचारधारा के प्रति स्पष्टता और कार्यकर्ताओं से भावनात्मक संबंध उन्हें मिश्र जी का वास्तविक उत्तराधिकारी बनाता है।

डॉ. ठाकुर व्यंग्य करते हुए कहते हैं कि राजनीति में "हाथी के दो दांत" की तरह एक दिखाने और एक खाने वाले दांत होते हैं। उनके अनुसार, विजय कुमार सिन्हा "काम करने वाले दांत" हैं, जबकि सम्राट चौधरी "दिखाने वाले दांत"—अर्थात दोनों की भूमिकाएँ अलग होने के बावजूद एक-दूसरे को पूरक हैं। यही कारण है कि भाजपा ने दोनों को लगातार कार्यभार सौंपकर अपनी रणनीति को स्थिर बनाए रखा है।

भूमिहार समुदाय को संगठित करने की क्षमता

2025 के चुनाव में भाजपा द्वारा दिए गए आंकड़ों से स्पष्ट है कि भूमिहार समुदाय को संगठित करने में विजय कुमार सिन्हा का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

भाजपा ने 32 भूमिहार उम्मीदवारों को टिकट दिया

इनमें से 11 ने जीत दर्ज की

भूमिहारों की जनसंख्या मात्र 2.9% होते हुए भी वे कई सीटों पर निर्णायक भूमिका में रहते हैं

लखीसराय, विक्रम, बेगूसराय, मोकामा, केसरिया और विभिन्न शहरों में भूमिहार वोट बैंक भाजपा का सबसे भरोसेमंद स्तंभ रहा है, और इसे बरकरार रखने का श्रेय काफी हद तक विजय कुमार सिन्हा की रणनीति को जाता है।

संगठन में बढ़ती जिम्मेदारी और नेतृत्व का विस्तार

विजय कुमार सिन्हा अब भाजपा के "विधानमंडल दल के उपनेता" भी हैं, जो इस बात का संकेत है कि संगठन में उनका कद लगातार बढ़ रहा है। पांच बार विधायक, विधानसभा अध्यक्ष, विपक्ष के नेता और अब उपमुख्यमंत्री जैसे पदों ने उनकी राजनीतिक क्षमता को प्रमाणित किया है।

वे न केवल सवर्ण वोट बैंक को एकजुट रखते हैं, बल्कि पिछड़ा वर्ग, युवाओं और महिलाओं में भी उनकी पकड़ बढ़ी है। यही उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत है।

प्रशासनिक सुधारों की लकीर को आगे बढ़ाते कदम

उनके कार्यकाल के प्रमुख सुधार—

खनन में पारदर्शिता

सड़क परियोजनाओं को गति

कृषि उत्पादन बढ़ाने के प्रयास

भूमि सुधार में पारदर्शिता

विधानसभा में जवाबदेही बढ़ाकर भ्रष्टाचार पर लगाम

अपराध नियंत्रण में कठोरता

इन सभी नीतियों से बिहार की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिला है, जिससे भाजपा की नींव और मजबूत हुई है।

विरासत, विचार और भविष्य

कैलाशपति मिश्र ने भाजपा को नैतिकता, समर्पण और विचारधारा की ऊर्जा दी थी। यह विरासत अब विजय कुमार सिन्हा जैसी नई पीढ़ी संभाल रही है।

संगठन निर्माण, सनातनी मूल्यों का संरक्षण, जातीय संतुलन और विकास—ये चार तत्व वही हैं जिन्हें मिश्र जी ने प्रत्यक्ष रूप से पोषित किया था। आज वही मूल तत्व विजय कुमार सिन्हा की राजनीति में दिखाई देते हैं और यही उन्हें भाजपा के भविष्य का स्तंभ बनाते हैं।

विजय कुमार सिन्हा का नेतृत्व बिहार भाजपा के लिए केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि संगठनात्मक, सामाजिक और वैचारिक स्तर पर भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

वे भूमिहार नेतृत्व का प्रतिनिधि होने के साथ-साथ आधुनिक प्रशासनिक दृष्टि, विकास और पारदर्शिता के चेहरे के रूप में उभरे हैं। कैलाशपति मिश्र की विरासत को आगे बढ़ाना उनके कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी है और अब तक के उनके कार्यकाल से यह स्पष्ट है कि वे इस दायित्व को बखूबी निभा रहे हैं।

हिलसा में बदमाशों का तांडव, बाइक रोक पिता-पुत्र को बुरी तरह पीटा

हिलसा (अपना नालंदा)। रविवार की शाम हिलसा शहर में बरूणतल के पास बदमाशों ने बाइक रोककर पिता-पुत्र पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल दोनों को आनन-फानन में अनुमंडलीय अस्पताल, हिलसा में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

जख्मी की पहचान हिलसा शहर के पूर्वी पटेल नगर निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक अवधेश कुमार और उनके 31 वर्षीय पुत्र, सरकारी शिक्षक रविशंकर कुमार के रूप में हुई है। रविशंकर कुमार हिलसा थाना क्षेत्र के गुलनी में शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं।

रविशंकर कुमार ने बताया कि रविवार को वे अपने पिता को शहर के काली स्थान स्थित एक डॉक्टर से दिखाकर बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान बरूणतल के पास अचानक 7-8 की संख्या में बदमाशों ने उनकी बाइक रुकवा ली और बिना किसी कारण उन पर लाठी-डंडों से हमला करना शुरू कर दिया। हमले में दोनों बुरी तरह जख्मी हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, जिसके बाद बदमाश फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया।

घटना की पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। आसपास के CCTV कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी। अचानक हुए इस हमले से क्षेत्र में दहशत का माहौल है, वहीं स्थानीय लोग सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता जता रहे हैं।

असफल प्रेम में युवाओं के टूटते अरमान चिंताजनक

डा. वीरेन्द्र भाटी मंगल

तेजी से बदलते सामाजिक परिवेश, डिजिटल दुनिया की चकाचैंध और भावनात्मक रूप से अस्थिर होते रिश्तों के बीच आज का युवा वर्ग अभूतपूर्व मानसिक दबाव महसूस कर रहा है। इनमें सबसे गहरा प्रभाव असफल प्रेम और उससे उपजे टूटन का देखा जा सकता है। प्रेम मानव जीवन की स्वाभाविक अनुभूति है, परंतु जब यह संबंध बिना परिणाम के समाप्त हो जाता है, तब युवा मन में खालीपन, हीनभावना और आत्म-संदेह घर कर लेता है। यही भावनाएं धीरे-धीरे एकांत को जन्म देती हैं जो आज की युवा पीढ़ी की सबसे बड़ी चुनौती बन गई है।डिजिटल युग में रिश्तों की शुरुआत जितनी सरल हो गई है, उनका अंत उतना हीजटिल। सोशल मीडिया ने जहां संवाद को सरल बनाया है, वहीं भावनाओं की गहराई को कम कर दिया है। वर्चुअल दुनिया में रिश्तों केबनने और बिगड़ने की गति बहुत तेज है। परिणामस्वरूप, जब कोई प्रेम संबंध टूटता है, तो उसका आघात पहले की तुलना में कहीं अधिक तीखा और त्वरित रूप से अनुभव होता है। युवा अक्सर खुद को तुलना की संस्कृति में फंसा पाते हैं किसी और के खुशहाल रिश्ते को देखकर, स्वयं को हीन महसूस करते हैं। यही तुलना मानसिक अवसाद और एकांत का कारण बनती है।

असफल प्रेम के बाद युवा जिस तरह की मानसिक स्थिति से गुजरते हैं, वह बहुआयामी होती है। प्रारंभ में अविश्वास, क्रोध और अपराधबोध की भावनाएं मन को उलझा देती हैं। अनेक युवाओं को लगता है कि उनकी कोई गलती रही होगी जबकि वास्तविकता यह है कि प्रेम संबंध दो व्यक्तियों की परस्पर समझ और परिस्थितियों पर आधारित होते हैं। संबंध का टूटना हमेशा किसी एक व्यक्ति की वजह से नहीं होता बल्कि अनेक परिस्थितियों का परिणाम होता है।

असफल प्रेम से उपजा अकेलापन धीरे-धीरे दुष्चक्र में बदल जाता है। युवा सामाजिक मेलजोल से दूरी बनाने लगते हैं, अपने शौकछोड़ देते हैं, और हर बातचीत को संदेह की दृष्टि से देखने लगते हैं। मनोचिकित्सकों के अनुसार, इस तरह की भावनात्मक टूटन यदि समय रहते संभाली न जाए तो यह अवसाद, चिंता, अनिद्रा और आत्महीनता जैसे मानसिक रोगों में बदल सकती है।अकेलेपन का दूसरा बड़ा दुष्परिणाम यह होता है कि युवा अपनी भावनाओं को किसी से साझा नहीं कर पाते। भारतीय समाज में आज भी युवा पुरुषों की भावनाओं को कम महत्व दिया जाता है, जबकि युवतियों पर सामाजिक अपेक्षाएं इतनी अधिक होती हैं कि वे अपनी पीड़ा खुलकर प्रकट ही नहीं कर पातीं। परिणाम स्वरूप, भावनाएं मन में दबती जाती हैं और व्यक्ति भीतर ही भीतर टूटने लगता है। यदि परिवार और समाज संवेदनशीलता के साथ युवाओं की भावनात्मक स्थिति को समझें तो इस समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है। युवाओं को यह महसूस कराना जरूरी है कि असफल प्रेम जीवन की असफलता नहीं है। हर रिश्ते का अंत एक नया आरंभ भी हो सकता है, यदि व्यक्ति उसे सकारात्मक दृष्टि से स्वीकार करे।

माता-पिता और मित्रों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। यदि वे टूटन से गुजर रहे युवा को अपनापन दें, बिना आलोचना सुने, उसके मनसशक्त बन सके।

की बात समझें और उसे आगे बढ़ने का साहस दें, तो वह शीघ्र ही इस भावनात्मक आघात से उबर सकता है। समाज को यह स्वीकार करना होगा कि प्रेम युवा मन की स्वाभाविक अभिव्यक्ति है, और उसका असफल होना कोई अपराध नहीं। असफल प्रेम से उबरने का पहला कदम है-स्वयं को दोष न देना। युवा यदि यह समझ लें कि प्रेम का अंत जीवन का अंत नहीं, बल्कि आत्म-चिंतन, आत्म-विकास और आत्म-सुधार का अवसर है तो वे अपने भीतर नई ऊर्जा पैदा कर सकते हैं।

दूसरा कदम है जीवन में व्यस्तता और सकारात्मक गतिविधियों को शामिल करना। संगीत, योग, ध्यान, खेल, लेखन तथा प्रकृति के साथ कुछ समय बिताने से मन शांत होता है। तीसरा कदम है। सहायता मांगने में संकोच न करना। कई बार मानसिक विशेषज्ञों से परामर्श लेने से युवा मन को सही दिशा और समाधान मिलता है। भावनाओं को भीतर बांधकर रखने की बजाय, उन्हें व्यक्त करना उपचार की शुरुआत है।

असफल प्रेम आज के युवाओं के लिए एक भावनात्मक परीक्षा बन गया है, परंतु यह टूटन स्थायी नहीं होती। यदि समाज, परिवार और युवा स्वयं इसे संवेदनशील दृष्टि से समझें, तो यह एकांत टूट सकता है और युवा मजबूत बनकर उभर सकता है। प्रेम में असफल होना अंत नहीं, बल्कि आत्म-खोज और आत्म-निर्माण की प्रक्रिया का आरंभ है। इसलिए जरूरत है कि हम युवाओं को संवेदनशीलता, संवाद और सहानुभूति का वातावरण दें ताकि उनका मन टूटे नहीं बल्कि और अधिक सशक्त बन सके।

हमें नकल छोड़नी होगी

डॉ. नीरज भारद्वाज

बचपन के सुने किस्से-कहानियां समय के साथ-साथ बहुत बार सार्थक से दिखाई देते हैं। गाँव के चौक-चराहें, बरगद के नीचे, चौपाल में बैठे बुजुर्गों के अनुभवों की बात किसी पुस्तक में शायद नहीं लिखी है। उनका अनुभव उनके साथ बैठकर ही लिया जा सकता है। हम बंद कमरों में बैठकर मोटी-मोटी किताबों के माध्यम से देश-दुनिया के व्यवहार को जानने की कोशिश करते हैं। लेकिन बुजुर्गों का सामाजिक अनुभव चाल-ढाल से ही व्यक्ति के बारे में बता देता है। अब धीरे-धीरे महानगरों में गाँव की परिपाटी बदल चुकी है। लोग अपने स्वार्थ में माया नगरी में धन कमाने के चक्कर में लगे हैं। एक दूसरे से बड़ा बनने की होड़ ने रिश्तों को समाप्त कर डाला है। लोग तेजी से मनोरोगी बनते जा रहे हैं, जब आपकी कोई सुनने वाला ही नहीं है तो आप मनोरोग से ग्रस्त हो ही जाओगे।

किस्से-कहानी हमारे समाज का ही अंग होते हैं और उसमें मनोरंजन, कल्पना, संवेदना सभी कुछ मिलाकर लिखा जाता और सुनाया जाता है। एक कहानी याद आती है कि एक बार एक भालू शहद खा रहा था, बंदर भी वहीं पर उछल-कूद कर रहा था। भालू को पता था कि बंदर नकलची होता है। उसने बंदर को थोड़ा सा शहद चटा दिया। बंदर को शहद अच्छा लगा। बंदर शहद मांगता रहा, लेकिन भालू ने उसे दोबारा नहीं दिया। थोड़ी देर बाद बंदर ने भालू से पूछा, आखिर आपको यह मिला कहां, इतना ही बतला दें। भालू ने ततैया के छत्ते की ओर इशारा कर दिया। बंदर को भालू के हाथ का छत्ता और ततैया का छत्ता एक समान सा दिखा। बंदर ने बिना सोचे-समझे ततैया का छत्ता तोड़ लिया। उसमें शहद तो था ही नहीं। ऊपर से ततैयों ने बंदर को डंक मार-मार कर घायल कर दिया। नकलची बंदर बड़ा परेशान हुआ, पूरा शरीर दर्द से तड़पता रहा। भालू इस दृश्य को देखकर मुस्कुराता रहा।

यहां बंदर कोई और नहीं है, हम सभी हैं, ऐसा कई बार लगता है। हमारे पास थोड़ा धन, पद, वैभव आदि आ जाए, बस उसी की उछल कूद में लग जाते हैं। लोन पर घर, लोन पर गाड़ी, लोन पर बच्चों को देश-विदेश में पढ़ाना, घर में नौकर-चाकर से काम करना आदि।कहीं भी इधर-उधर धन को लगा देना आदि।समर्थ में पैसा होने के बाद भी लोग असमर्थ से दिखाई देते हैं।क्योंकि हमने ऐसे छत्ते में हाथ डाला है, जहाँ शहद नहीं है, केवल ततैयों के डंक हैं। कहने का भाव है कि हम तो केवल एक किस्त बनकर रह गए हैं। किस्तों को भरने, उनका ब्याज, जोड़-घटा करने में ही लगे रहते हैं। जो मिला है उसका सुख कम, आगे कि चिंता में अधिक फंस जाते हैं।

हमने नकल का एक आवरण ओढ़ लिया है, ऐसा भी लगता है। एक घर होने के बावजूद दूसरा घर, फ्लैट, प्लांट या अन्य शहर में कोई जमीन खरीदने की एक परंपरा चल निकली है। एक दूसरे को देखकर अर्थात देखा-देखीम सभी यह कर रहे हैं।नौकरी करने वाला व्यक्ति स्टॉक मार्के

लगा रहा है, इसके लिए विज्ञापनों को सुना जा सकता है। चाहे हमें उस विधा का ज्ञान है या नहीं है। उसने लगाया है तो मैं भी लगाकर देख लूं। इसके अलावा सबसे महत्वपूर्ण बात यह भी है कि फिल्मों ने लोगों को नकल करना सिखा दिया और फिल्मों से लोग नकल भी करने लगे। फिल्मों के माध्यम से फैशन हमारे जीवन में आ गया। कुछ गिने-चुने सिनेमा के लोग पूरे देश के फैशन को चलते हैं, ऐसा भी लगता है। हम अंधी दौड़ में उनके पीछे-पीछे भाग लेते हैं। उसके प्रभाव-कुप्रभाव को नहीं देखते। बस उसे लेना ही हमारा उद्देश्य हो जाता है।

यहां बंदर कोई और नहीं है, हम सभी हैं, ऐसा कई बार लगता है। हमारे पास थोड़ा धन, पद, वैभव आदि आ जाए, बस उसी की उछल कूद में लग जाते हैं। लोन पर घर, लोन पर गाड़ी, लोन पर बच्चों को देश-विदेश में पढ़ाना, घर में नौकर-चाकर से काम करना आदि।कहीं भी इधर-उधर धन को लगा देना आदिमें पैसा होने के बाद भी लोग असमर्थ से दिखाई देते हैं।क्योंकि हमने ऐसे छत्ते में हाथ डाला है, जहाँ शहद नहीं है, केवल ततैयों के डंक हैं।

फिल्मी नकल के चलते और बहुत सारी फिल्मों के चलते हमारी संस्कृति, हमारी पारिवारिक व्यवस्था, हमारे देवी-देवताओं पर कुठाराघात किया गया है। फिल्मों की नकल करके समाज में बड़ा परिवर्तन आ गया। हम उसे ही सत्य मानकर उनकी चाल में रमते चले गए। रूपले पर्दे कोकुछ लोगों नेसत्य मान लिया, जो सत्य है ही नहीं। हमारी सृजनशीलता धीरे-धीरे समाप्त हो रही थी,इसी बात को देखकर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने देश के श्रम, कौशल, कला, संस्कृति आदि के विकास पर बल दिया। लोकल फॉर वोकल से देश के उत्पादों और सेवाओं का उपयोग करने की बात की। लोगों को भी बात समझ में आई, देशी व्यापार में बढ़ोत्तरी हुई। लोगों को काम-रोजगार मिला। विचार करें तो हमें नकल से नहीं अक्ल से काम लेना चाहिए। हमें नकल नहीं सृजन करना है।

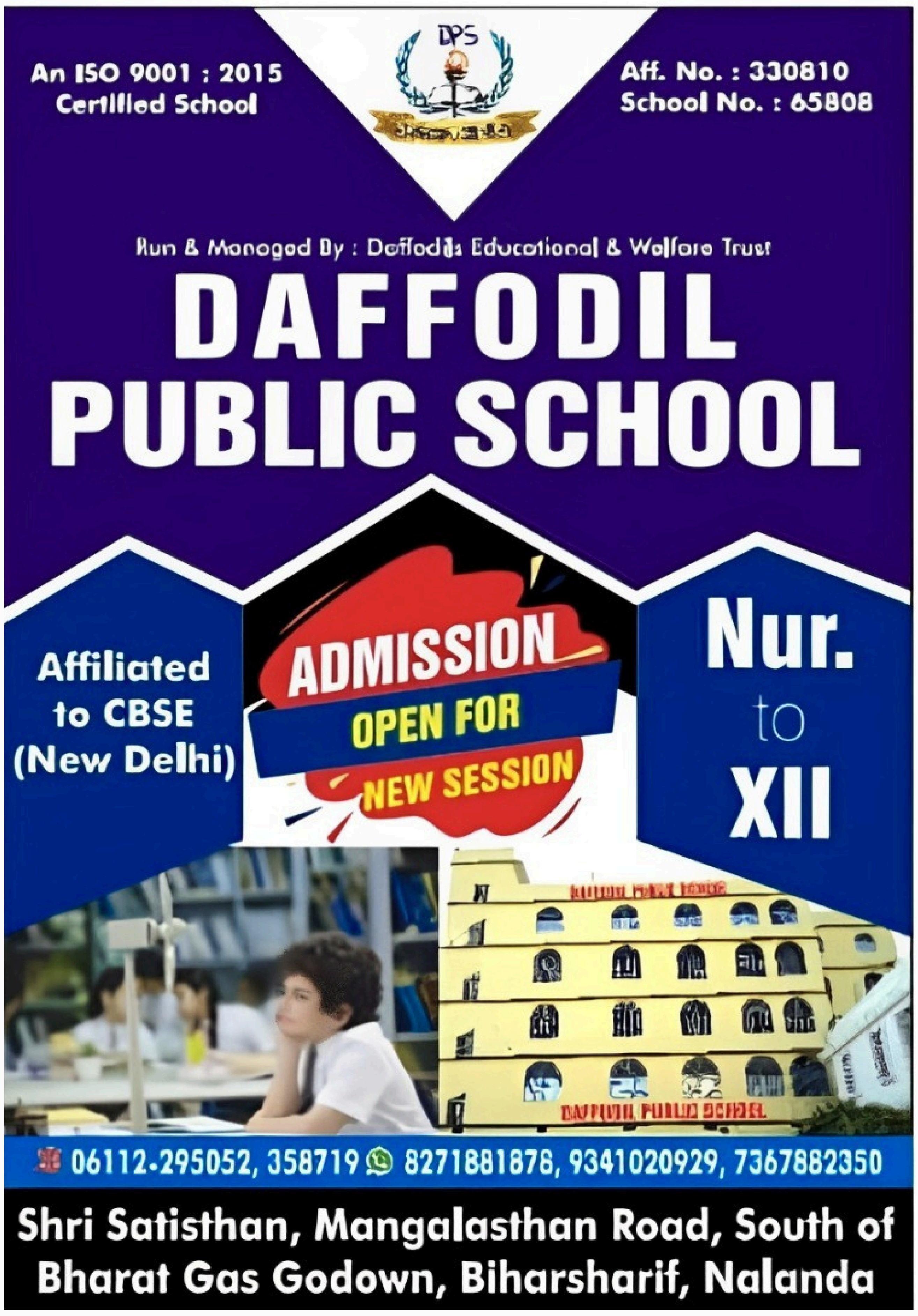

अपना नालंदा में विज्ञापन देकर
अपने व्यवसाय को दे नई पहचान

भाजपा नालंदा ने दो पदाधिकारियों के निधन पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। भारतीय जनता पार्टी नालंदा द्वारा रविवार को जिला कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। यह कार्यक्रम जिला अध्यक्ष राजेश कुमार के नेतृत्व में आयोजित हुआ, जिसमें हाल ही में स्वर्गीय हुईं महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष निशा कश्यप और पूर्व जिला महामंत्री सियाशरण आर्य को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

श्रद्धांजलि सभा की शुरुआत दोनों दिवंगत नेताओं के तैलचित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद दो मिनट का मौन रख उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री शिवरतन प्रसाद ने किया।

अपने संबोधन में जिलाध्यक्ष राजेश कुमार ने कहा कि भाजपा एक विशाल परिवार है, जिसमें हर कार्यकर्ता इस परिवार का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के सुख-दुख में साथ खड़ा रहना भाजपा की मूल भावना है। उन्होंने बताया कि कुछ ही घंटों के अंतराल में दो सक्रिय और समर्पित पदाधिकारियों का निधन भाजपा नालंदा परिवार के लिए अत्यंत दुखद और मर्माहत करने वाली घटना है।उन्होंने कहा कि पार्टी उनके परिवारों के साथ खड़ी है और हरसंभव सहयोग करेगी।इस अवसर पर राजेश्वर प्रसाद सिंह, अरविंद पटेल, डा. अशुतोष कुमार, शिवशंकर दास, अमरेश कुमार, रंजू कुमारी, रवि राज, गोपाल कुमार, अमित शान, शशिकला सिन्हा, धर्मेंद्र कुशवाहा, संदीप कुमार, विपीन झा, अविनाश कुमार गुड्डू, महिला मोर्चा जिला महामंत्री डा. रजु देवी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दी।

अपना शहर अपना खबर
अपना नालन्दा

बहाई उपासना गृह परिसर में वृक्षारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बहाई धर्म के स्थानीय उपासना गृह, हरगांवा (बिहारशरीफ प्रखंड) के निर्माणाधीन परिसर में रविवार को वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का संदेश देना था।

मुख्य अतिथि राज्य बहाई परिषद की सचिव रिना दिनेश ने बहाई धर्म के सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बहाई धर्म के मुख्य प्रवर्तक अबुल बहा ने पृथ्वी को एक सुंदर बगीचा बताया है, जिसकी देखभाल एक दक्ष माली की तरह होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण और असंतुलित पर्यावरण को बचाने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है।

सोसाइटी ऑफ यूनिवर्सल लर्नर के निदेशक संदीप मलिक ने बताया कि निर्माणाधीन उपासना गृह को पूर्णतः पर्यावरण-अनुकूल बनाया जाएगा, ताकि आने वाले सभी उपासकएक शांत, स्वच्छ और आध्यात्मिक वातावरण में उपासना कर सकें।

वर्ष 2026 में होगा ज्ञान केंद्र का शुभारंभ

स्थानीय बहाई केंद्र के मैनेजर शिव शंकर कुमार ने बताया कि उपासना गृह का निर्माण तेजी से प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि नव-निर्मित ज्ञान केंद्र का उद्घाटन फरवरी 2026 में होने की संभावना है। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य "सेवा और उपासना" के सिद्धांत को बढ़ावा देना है, जहां लोग आध्यात्मिक और सामाजिक विकास दोनों से जुड़ सकेंगे।

कार्यक्रम में नालंदा सांसद की पत्नी रवीना देवी, सौरभ कुमार, स्नेह कुमार, चंदन कुमार, गौतम कुमार, विकास कुमार, जितेंद्र कुमार, उमेश यादव, अक्षय कुमार सहित कई बहाई मित्र और स्थानीय लोग उपस्थित थे।

विरासत 2025 में पुरुलिया छाऊ की प्रस्तुति से नालंदा विश्वविद्यालय में गूंजा लोक-संस्कृति

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा विश्वविद्यालय का परिसर उस समय उत्सव के रंग में रंग गया जब पश्चिम बंगाल के पुरुलिया से आए प्रख्यात लोक कलाकारों ने अपनी ऊर्जावान 'पुरुलिया छाऊ' नृत्य प्रस्तुति के साथ विरासत 2025 सांस्कृतिक श्रृंखला का भव्य शुभारंभ किया। विश्वविद्यालय के स्पिक मैके चैप्टर द्वारा सुषमा स्वराज सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में 20 से अधिक देशों के विद्यार्थियों ने सहभागिता कर भारत की लोक परंपराओं और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का सजीव अनुभव लिया।

पुरुलिया छाऊ कलाकारों ने अपने ओजस्वी नृत्य, युद्धक शैली की मुद्राओं, आकर्षक नाट्य अभिनय और दुर्गा सप्तशती के महिषासुर वध प्रसंगों के जीवंत प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधान, भव्य मुखौटे और ढोल, धमसा, बांसुरी तथा शहनाई की सुमधुर ध्वनियों ने माहौल को लोक-संवेदना और आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

पुरुलिया जिला, पश्चिम बंगाल की यह पारंपरिक कला महाकाव्यात्मक विषयों — रामायण, महाभारत और पौराणिक कथाओं — के सशक्त मंचन के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। धार्मिक उत्सवों से जुड़े इस नृत्य की विशिष्ट शैली, आकर्षक मुखौटे और रंग-सज्जा ने इसे अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी ने स्पिक मैके टीम और कलाकारों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन भारत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासतके संरक्षण और संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कुलपति ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे भारतीय परंपराओं और कला-रूपों को गहराई से आत्मसात करें, क्योंकि यही नालंदा की वैश्विक दृष्टि को भारतीय सभ्यता के मूल मूल्यों से जोड़ता है।

स्पिक मैके संस्था लंबे समय से भारतीय शास्त्रीय एवं लोक कलाओं को युवाओं तक पहुँचाने और संस्कृति को एक आत्मानुभूति के रूप में स्थापित करने का कार्य करती आ रही है।

विरासत 2025 के तहत नालंदा विश्वविद्यालय में अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पुरुलिया छाऊ के बाद 26 नवंबर को प्रसिद्ध संगीतज्ञ पंडित साजन मिश्रा की शास्त्रीय गायन संध्या होगी। 28 नवंबर को गौतम काले का हिंदुस्तानी संगीत कार्यक्रम और चार दिवसीय संगीत कार्यशाला आयोजित की जाएगी, जिसमें भारतीय एवं अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों को भारतीय संगीत के स्वर-साधना और परंपरा से परिचित कराया जाएगा।

नालंदा विश्वविद्यालय का यह सांस्कृतिक आयोजन युवाओं को भारत की शाश्वत सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का सार्थक प्रयास है, जहाँ परंपरा, अध्ययन और सृजन का सुंदर संगम साकार होता है।

रेड क्रॉस नालंदा द्वारा साप्ताहिक स्वास्थ्य जांच शिविर में 151 मरीज हुए लाभान्वित

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। रविवार को भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा नालंदा द्वारा विस्तारित भवन, श्रम कल्याण केंद्र मैदान में साप्ताहिक स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य निसहाय एवं जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना था।

शिविर में आए लाभार्थियों ने रेड क्रॉस के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर उनके लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो रहे हैं।इस साप्ताहिक शिविर में कुल 151 लोगों की जांच की गई। शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी ने 36 बच्चों की जांच की। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिनव कुमार सिंह द्वारा 60 मरीजों का नेत्र परीक्षण किया गया। फिजिशियन डॉ. दीनानाथ वर्मा एवं डॉ. इंद्रजीत कुमार ने 60 मरीजों की जांच की। फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. मोहम्मद शहजाद आलम ने 15 मरीजों को परामर्श दिया। होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. गौतम कुमार ने 28 लोगों की जांच की, जबकि 20 लोगों की मधुमेह जांच भी की गई।

शिविर में दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. रवि कुमार तथा ऑडियोलॉजिस्ट डॉ. प्रदीप कुमार सिंह ने भी अपनी सेवाएं दीं। सभी विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों की समस्याओं को समझकर उचित चिकित्सीय परामर्श प्रदान किया।

शिविर को सफल बनाने में रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव राजेश कुमार, कार्यकारिणी सदस्य सुधांशु रंजन तथा आजीवन सदस्य प्रमोद पंडित, नागेंद्र कुमार, बृज बिहारी प्रसाद, चंद्रमणि प्रसाद, अरविंद पंडित, प्रो. स्वधर्म कुमार, साधु शरण प्रसाद, राकेश कुमार पंकज, अंजना कुमारी, आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इन सदस्यों द्वारा पंजीकरण, कतार प्रबंधन एवं व्यवस्था संचालन में दिखाए गए समर्पण ने शिविर को सफल बनाने में अहम योगदान दिया।

बारात से लौटते युवक की फोर व्हीलर नहर में पलटने से मौत

राजेश कुमार गौतम

नालंदा (अपना नालंदा)। राजगीर थाना क्षेत्र के बक्सु गांव निवासी कारू सिंह के मंझले पुत्र रजनीश कुमार (उम्र लगभग 30 वर्ष) की शनिवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में मौत हो गई। रजनीश कुमार बारात छोड़कर फोर व्हीलर से घर लौट रहे थे। लौटने के क्रम में चंडी मोह गांव के समीप उनकी गाड़ी अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे नहर में जा गिरी, जिससे वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही रात्रि गश्ती पुलिस मौके पर पहुँची और स्थानीय लोगों की मदद से गंभीर रूप से घायल रजनीश को बाहर निकालकर सदर अस्पताल, बिहारशरीफ ले जाया गया। अस्पताल में मौजूद चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनकी मौत की पुष्टि होते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा और परिजनों में चीख-पुकार मच गई।

स्थानीय लोगों के अनुसार, यह सड़क अक्सर दुर्घटनाओं का कारण बनती है, लेकिन सुरक्षा के उचित प्रबंध नहीं किए गए हैं। बताया जाता है कि रजनीश कुमार के बड़े भाई की भी करीब एक वर्ष पहले सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। दो बेटों को सड़क हादसों में खो देने से परिवार पूरी तरह टूट चुका है और गांव के वातावरण में गम का माहौल है।

पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण करते हुए वाहन को कब्जे में ले लिया है। साथ ही दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि गाड़ी अनियंत्रित होने के पीछे तकनीकी खराबी थी या तेज रफ्तार इसका कारण बनी।

धान की बोरी लदे ट्रैक्टर का डाला पलटा, मजदूर की दर्दनाक मौत

थरथरी (अपना नालंदा)। धान की बोरी से लदे ट्रैक्टर का डाला पलटने से एक अधेड़ मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान थरथरी थाना क्षेत्र के भतहर गांव निवासी मिश्री साव के पुत्र राजेश साव (उम्र लगभग 45 वर्ष) के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, राजेश साव अपने साथी रंजीत साव के साथ बेरमा गांव धान का बोरा लोड करने गए थे। ट्रैक्टर पर करीब 120 बोरी धान लोड थी और राजेश साव इन्हीं बोरियों के ऊपर डाले पर बैठकर भतहर गांव लौट रहे थे।

जब ट्रैक्टर मेहत्रवा-बेरमा गांव के बरकुरवा खंधा के पास पहुंचा, तभी अचानक ट्रैक्टर डाला का गुल्ली (जॉइंट) टूट गया, जिससे डाला पलटकर खेत में जा गिरा। इसी दौरान बोरी के नीचे दबने से राजेश साव की मौके पर ही मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वजन अधिक होने के कारण डाला टूटने की आशंका है। हादसे की सूचना मिलते ही मृतक के घर में कोहराम मच गया। राजेश साव मेहनत-मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे और घर के अकेले कमाऊ सदस्य थे।

परिजनों के अनुसार, मृतक के तीन पुत्रियां और एक पुत्र है। हाल ही में उनकी एक बेटी का विवाह हुआ था। आर्थिक स्थिति पहले से ही कमजोर थी, जिससे परिवार पूरी तरह संकट में आ गया है।

घटना की पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया की जा रही है। परिजनों द्वारा आवेदन दिए जाने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विज्ञान प्रदर्शनी में बाल वैज्ञानिकों ने दिखाया कौशल, अतिथियों ने की सराहना

हिलसा (अपना नालंदा)। बिहार रोड स्थित विद्या विहार के प्रांगण में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी सह बाल मेला में बच्चों ने अपनी अद्भुत प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन समाजसेवी डॉ. आशुतोष कुमार मानव एवं नगर परिषद हिलसा के मुख्य पार्षद धनंजय कुमार ने संयुक्त रूप से किया। दीप प्रज्वलन के बाद दोनों अतिथियों ने कहा कि छोटे बच्चों द्वारा विज्ञान आधारित विभिन्न विषयों पर तैयार किए गए मॉडल उनकी मेधा, नवाचार और सीखने की क्षमता को दर्शाते हैं, जो अत्यंत प्रेरणादायक है।

प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा, जल संचयन, रोबोटिक्स, स्वास्थ्य सुरक्षा सहित कई विषयों पर आकर्षक प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए, जिन्हें देखकर अभिभावकों एवं आगंतुकों ने उनकी प्रशंसा की। बाल वैज्ञानिकों की रचनात्मकता और वैज्ञानिक समझ ने सभी का मन मोह लिया।

विद्या विहार के निदेशक अरविंद प्रसाद एवं विजय कुमार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को विशेष सम्मान दिए जाने की घोषणा की। उनका कहना था कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के साथ आत्मविश्वास भी बढ़ाते हैं।

कार्यक्रम के दौरान बाल मेला भी आयोजित किया गया, जिसमें बच्चों द्वारा बनाए गए लज़ीज़ व्यंजनों की अतिथियों ने जमकर तारीफ़ की। मेला परिसर में अभिभावकों की भी बड़ी उपस्थिति रही, जिन्होंने बच्चों के प्रयासों और विद्यालय की पहल की सराहना की।

समग्र रूप से विज्ञान प्रदर्शनी सह बाल मेला अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायक रहा, जिसने बाल प्रतिभाओं को एक नया मंच उपलब्ध कराया।

नवोत्साह साहित्य संगम नालंदा इकाई की मासिक गोष्ठी में कवियों ने बाँधा समां

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नवोत्साह साहित्य संगम नालंदा जिला इकाई की मासिक गोष्ठी रविवार को खुशी कुंज, किसान कॉलेज रोड, सोहसराय स्थित डॉ. सोनिया अनंत के आवास पर आयोजित की गई। कार्यक्रम दो सत्रों में सम्पन्न हुआ। प्रथम सत्र की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष डॉ. प्रणय कुमार ने की, जबकि मंच संचालन संगठन मंत्री श्रीमती सोनिया अनंत ने किया।

गोष्ठी की शुरुआत संजीव कुमार पाठक द्वारा सरस्वती वंदना के साथ हुई। इसके बाद वरिष्ठ कवि दीनानाथ शर्मा ने अपनी रचनाओं के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। काव्य पाठ में डॉ. प्रणय कुमार, चंद्र प्रेम .उपाध्याय, दीपक कुमार, सोनिया अनंत, डॉ नीतीश कुमार, वर्षा वसी और अश्मि स्वराज सहित कई कवियों ने अपनी-अपनी सशक्त रचनाएँ प्रस्तुत कीं।दूसरे सत्र में नवोत्साह साहित्य संगम के राष्ट्रीय संयोजक अविनाश कुमार पांडेय ने साहित्यिक परिचर्चा का नेतृत्व करते हुए संगठन को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि साहित्यिक गतिविधियाँ समाज को संवेदनशील बनाने के साथ-साथ नई पीढ़ी को रचनात्मक दिशा देने का कार्य करती हैं।

कार्यक्रम के अंत में मनोज कुमार ने उपस्थित सभी साहित्यकारों एवं अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए गोष्ठी का समापन किया।

मदारचक में पशुपालक को सर्पदंश, घायल युवक अस्पताल में भर्ती कराया गया

हिलसा (अपना नालंदा)। हिलसा थाना क्षेत्र के मदारचक गांव में रविवार को सर्पदंश की घटना में एक पशुपालक घायल हो गया। घायल युवक को स्थानीय लोगों की सहायता से तुरंत अनुमंडलीय अस्पताल, हिलसा में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

घायल की पहचान मदारचक गांव निवासी संदीप कुमार, पिता अनिल रविदास, के रूप में हुई है। संदीप कुमार ने बताया कि वह अपने पालतू पशु को एक स्थान से दूसरे स्थान ले जारहे थे। इसी दौरान झाड़ियों के पास अचानक एक सांप ने उन्हें दंश मार दिया। दंश लगते ही वह दर्द से गिर पड़े, जिसके बाद आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया और अस्पताल ले गए।

डॉक्टरों के अनुसार संदीप की स्थिति नियंत्रण में है और समय पर इलाज मिलने से खतरा काफी हद तक टल गया है। इस घटना के बाद ग्रामीणों ने क्षेत्र में सांपों की बढ़ती गतिविधियों को लेकर चिंता जताई है और प्रशासन से सफाई एवं जागरूकता अभियान चलाने की मांग की है।

चंद्रवंशी समाज ने दोनों विधायकों-एमएलसी को मंत्री बनने पर खुशी जताई और बधाई दी

थरथरी (अपना नालंदा)। गया से विधायक प्रेम कुमार चंद्रवंशी और एमएलसी प्रमोद कुमार चंद्रवंशी को बिहार सरकार में मंत्री बनाए जाने की घोषणा के बाद चंद्रवंशी समाज में खुशी की लहर दौड़ गई। इसी क्रम में अखिल भारतीय चंद्रवंशी चेतना मंच के राज्य स्तरीय सदस्य एवं अस्ता के पूर्व मुखिया युगेश्वर कुमार सहित अनेक सामाजिक प्रतिनिधियों ने उनके आवास पर जाकर बधाई दी और उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

पूर्व मुखिया युगेश्वर कुमार ने कहा कि दोनों जनप्रतिनिधियों के मंत्री बनने से क्षेत्र का सर्वांगीण विकास तेज गति से होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और जन सरोकार से जुड़े मुद्दों पर नयी सरकार के साथ दोनों मंत्री सकारात्मक पहल करेंगे। उन्होंने कहा कि चंद्रवंशी समाज ने हमेशा सामाजिक सद्भाव व विकास की दिशा में योगदान दिया है, और नये मंत्री इस परंपरा को और मजबूत करेंगे।

इस अवसर पर बधाई देने वालों में मुखिया अंजू देवी, राजीव कुमार चंद्रवंशी, शुभम कुमार चंद्रवंशी, रमेश कुमार चंद्रवंशी, बलराम कुमार चंद्रवंशी सहित कई अन्य गणमान्य लोग शामिल थे। लोगों ने मंत्री पद पर आसीन हुए दोनों नेताओं से उम्मीद जताई कि वे क्षेत्र की समस्याओं के समाधान और विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। बधाई देने पहुंचे लोगों के बीच उत्साह का माहौल रहा और समाज के लोगों ने इसे चंद्रवंशी समाज के लिए गौरव का क्षण बताया।

नालंदा जिले के सभी प्रखंडों में संवाददाता सह विज्ञापन प्रतिनिधि कि आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति 9031468165 पर संपर्क करें।